

## बाल गंगाधर तिलक

# बाल गंगाधर तिलक

( 23 जुलाई 1856 - 1 अगस्त 1920 )

पूर्ण स्वतंत्रता या स्वराज्य के सबसे शुरुआती व सबसे मुखर समर्थकों में से एक

### संक्षिप्त विवरण

- ⊙ इन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है
- ⊙ महात्मा गांधी ने उन्हें "आधुनिक भारत का निर्माता" कहा था
- ⊙ शिक्षाविद: एक विपुल लेखक और पत्रकार
- ⊙ संबंधित संस्थान: डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी ( 1884 ) और फर्ग्यूसन कॉलेज ( 1885 )



### सामाजिक और राजनीतिक योगदान

- ⊙ विचारधारा: एक धर्मनिष्ठ हिंदू; लोगों को जागृत करने के लिये हिंदू धर्मग्रंथों का उपयोग किया
- ⊙ कांग्रेस में भूमिका: 1890 में शामिल हुए; सूरत विभाजन ( 1907 ) में महत्वपूर्ण भूमिका - उग्रवादी सूरत अधिवेशन की अध्यक्षता करना चाहते थे
- ⊙ नारा: "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा!"
- ⊙ लाल-बाल-पाल तिकड़ी: लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल के साथ इन्होंने उग्रवादी समूह का नेतृत्व किया

### स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

- ⊙ स्वदेशी आन्दोलन का प्रचार किया
- ⊙ एनी बेसेंट के साथ भारतीय होम रूल आंदोलन का नेतृत्व किया
- ⊙ अप्रैल 1916 में अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की

लखनऊ समझौता ( 1916 ) - राष्ट्रवादी संघर्ष में हिंदू-मुस्लिम एकता के लिये तिलक की नेतृत्व वाली कांग्रेस और जिन्ना की अध्यक्षता वाली अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के बीच हस्ताक्षरित

### साहित्यिक कार्य

- ⊙ समाचार पत्र: "केसरी" ( मराठी ) और "द मराठा" ( अंग्रेज़ी )
- ⊙ पुस्तकें: गीता रहस्य ( उनकी प्रसिद्ध रचना ) और द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज